विधान परिषद के तृतीय सत्र 2024 के प्रथम मंगलवार के लिये निर्धारित डा0 मान सिंह यादव, मा0 सदस्य विधान परिषद द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या-15 से सम्बन्धित उत्तरालेख

प्रश्न संख्या	अतारांकित प्रश्न	उत्तर
15(क)	क्या रेशम उद्योग मंत्री बतायेंगे कि प्रदेश में रेशम उद्योग के विकास के लिये कोई कार्य योजना है?	वर्ष 2024-25 में विभागीय बीजागारों से 55.6625 लाख डी.एफ.एल्स. कीटाण्ड उत्पादन एवं केन्द्रीय रेशम बोर्ड से 17.1115 लाख डी.एफ.एल्स. कीटाण्ड क्रय किया जा रहा है, जिससे 33872 कोया उत्पादकों द्वारा 68.351 लाख डी.एफ.एल्स. का कीटपालन कर 3814.785 मी0टन कोया उत्पादन करते हुये कुल 441.93 मी0टन धागा उत्पादित किया जाना लक्षित है। उपरोक्त लक्ष्यों की पूर्ति हेतु विभाग में संचालित योजनाओं का विवरण:- (01) माडल चाकी कीटपालन हेतु शहतूत उदधान की स्थापना। (02) टसर रेशम विकास की योजना। (03) जागरूकता एवं प्रशिक्षण की योजना। (04) लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल राजकीय रेशम प्रशिक्षण संस्थान, बरकछा, मिर्जापुर। (05) रेशम कीटाण्ड के विकास की योजना। (06) टसर रेशम के लिये नर्सरी पौध उत्पादन की योजना। (07) केन्द्रीय रेशम बोर्ड सहायतित रेशम विकास की योजना (राज्यांश)। (08) शहतूती रेशम के लिये नर्सरी पौध उत्पादन की योजना। (09) एरी रेशम विकास योजना (जिला योजना)। रेशम विकास को गति देने के लिये विभाग में सिल्क समग्र-2 योजना संचालित है। योजना में केन्द्रांश के रूप में केन्द्रीय रेशम बोर्ड का अंश, राज्यांश एवं लाभार्थी का अंश सम्मिलित है। वर्ष 2024-25 में सामान्य वर्ग के 1630 लाभार्थियों को कीटपालन गृह निर्माण हेतु अनुदान सहायता उपलब्ध कराया जाना है तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एग्रोफारेस्ट्री योजनान्तर्गत शहतूत रेशम उत्पादन में कृषकों की निजी भूमि में शहतूत वृक्षारोपण,टसर रेशम उत्पादन में राजकीय भूमि पर अर्जुन वृक्षारोपणएवं नर्सरी पौध उत्पादन के कार्य किये जा रहे हैं।
(ख)	यदि हाँ, तो क्या उक्त का सम्पूर्ण विवरण सदन की मेज पर रखेगें?	उपरोक्तानुसार।
(ग)	यदि नहीं, तो क्यों?	प्रश्न नहीं उठता।

राकेश सचान
मंत्री